22-07-2021

नासा का नया अंतरिक्ष यान

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. Near -Earth asteroid (NEA Scout) एक छोटा अंतरिक्ष यान है।
2. NEA Scout का प्राथमिक मिशन निकट पृथ्वी क्षुद्रग्रह से डेटा एकत्र करना है।
3. इस अंतरिक्ष यान को लक्षित क्षुद्रग्रह तक पहुंचने में लगभग दो साल लगेंगे और क्षुद्र ग्रह के साथ मुठभेड के दौरान यह पृथ्वी से लगभग 93 मिलियन मील दूर होगा।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03

(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :- (D) उपरोक्त सभी

भूमिका :- हाल ही में नासा ने यह घोषणा की है, कि उसका नया अंतरिक्ष यान NEA Scout सभी आवश्यक परीक्षणों से सफलतापूर्वक गुजर चुका है, और अब स्पेस लॉन्च सिस्टम (SLS) रॉकेट के अंदर सुरक्षित रूप से रख दिया गया है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- NEA Scout उन पेलोड में से एक है, जो आर्टेमिस अंतरिक्ष भेजा जाएगा, जिसके नम्बर में लॉन्च की उम्मीद है।
- (Near -Earth asteroid South NEA Scout) एक छोटा अंतरिक्ष यान है।
- NEA Scout का प्राथमिक मिशन निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह से डेटा एकत्र करना है।
- यह अमेरिका का पहला अंतरग्रहीन मिशन होगा जो विशेष सौर-सैल प्रणोदन Solar Sail Propulsion का उपयोग करेगा।
- यह अंतरिक्ष यान स्टेनलेस स्टील मिश्रधातु बुम्स का उपयोग करके बनाया गया है।
- इस अंतरिक्ष यान को लक्षित क्षुद्रग्रह तब पहुंचने से लगभग दो साल लगेंगे और क्षुद्रग्रह के साथ मुठभेड़ के दौरान यह पृथ्वी से लगभग 93 मिलियन दूर होगा।
- यह अंतरिक्ष यान उच्च श्रेणी के वैज्ञानिक विशेष कैमरों से लैस है, जो 10 सेमी/ पिक्सल से लेकर 50 सेमी/पिक्सल तक की तस्वीरें ले सकता है।
- आर्टेमिस I (Artemis I) SLS रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान की चाल. दाब रहित परीक्षण उड़ान है। नासा के आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष एजेंसी ने वर्ष 2024 में चन्द्रमा पर पहली महिला को उतारने और वर्ष 2030 तक स्थायी चंन्द्र अन्वेक्षण कार्यक्रम स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

राष्ट्रीय रसद उत्कृष्टता पुरस्कार

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. यह पुरस्कार दो श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा-पहली श्रेणी में लॉजिस्टिक अवसंरचना / सेवा प्रदान शामिल है, जबकि दूसरी श्रेणी में विभिन्न उपयोगकर्ता उद्योगो को शामिल किया गया है।
2. राष्ट्रीय रसद उत्कृष्टता पुरस्कार भारतीय रसद क्षेत्र में हो रहे नवाचार और परिवर्तन को पहचानने तथा उसे उजागर करने हेतु एक मंच में काम करेगा।
3. नेशनल लॉजिस्टिक्स एक्सीलेंस अवार्ड्स का शुभारंभ सर्वोत्तम प्रथाओं को उजागर करेगा जिसमें लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में प्रक्रिया मानकीकरण, समेकन, डिजिटल परिवर्तन, तकनीकी उन्नयन और स्थायी अभ्यास शामिल हैं।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03
(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :- (D) उपरोक्त सभी

भूमिका :- हाल ही में कोविड-19 महामारी से मुकाबले के लॉजिस्टिक क्षेत्र में विभिन्न संगठनों द्वारा किये गए असाधारण उपायो की सरहना करने हेतु केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत रसद प्रभाग ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयासों को मान्यता देने हेतु राष्ट्रीय रसद उत्कृष्ठता शुरू करने की घोषणा की है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- इन पुरस्कारों का प्राथमिक लक्ष्य उन लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाताओं पर ध्यान केन्द्रित करना है, जिन्होने उत्कृष्ठता प्राप्त है, डिजिटलकरण और प्रौद्योगिकी को अपनाया है, ग्राहक सेवा में सुधार किया है, और अन्य उपलब्धियों के साथ सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन किया है।
- यह पुरस्कार दो श्रेणियों में प्रदान किया जाएगा पहली श्रेणी में लॉजिस्टिक अवसंरचना/ सेवा प्रदान शामिल है, जबकि दूसरी श्रेणी में विभिन्न उपयोगकर्ताओं उद्योगों को शामिल किया गया है।
- राष्ट्रीय रसद उत्कृष्ठता पुरस्कार भारतीय रसद क्षेत्र में हो रहे नवाचार और परिवर्तन का पहचानने तथा उसे उजागर करने हेतु एक मंच के रूप में काम करेगा।
- साथ ही पुरस्कार के माध्यम से केस स्टडीज का एक भंडार एकत्रित किया जा सकेगा जो उद्योग के दिग्गजों द्वारा संदर्भित और पालन की जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं का संकलन होगा।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- पुरस्कार समेकन प्रक्रिया मानकीकरण, तकनीकि उन्नयन, डिजीटल परिवर्तन तथा महामारी में प्रयोग की गई सर्वोत्तम प्रथाओं को रेखांकित करेगा।

बासमती चावल

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. बासमती निर्यात विकास फाउंडेशन (बीईडीएफ) भारत से बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा देती है।
2. यह फाउंडेशन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण की एक शाख है।
3. इस जागरूकता अभियान के माध्यम से किसानों को इस बात की जानकारी दी जाएगी कि बासमती चावल की खेती एक भारतीय परंपरा है, और इस परंपरा को बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03
(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर :- (D) उपरोक्त सभी

भूमिका :- हाल ही में APEDA ने बासमती एक्सपोर्ट डेवलपमेंट फाउंडेशन के साथ मिलकर बासमति चावल उत्पादकों के लिए जागरूकता अभियान चलाया है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- भारत की आजादी के 75 साल या आजादी का अमृत महोत्सव के राष्ट्रव्यापी उत्सव के एक हिस्से के रूप में APEDA ने बासमती निर्यात विकास फाउंडेशन (BEDF) के सहयोग से बासमती धान की खेती में रसायनों के के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के बारे में किसानों के लिए जागरूक करने का यह अभियान चलया है।
- इस जागरूकता अभियान के माध्यम से किसानों का इस बात की जानकारी दी जाएगी कि बासमती चावल की खेती एक भारतीय परंपरा है।
- इस अभियान के दोरान किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली बासमती का उत्पादन करने के लिए सलाह भी दी जाएगी, और सही मात्रा में रसायनों और उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी गई ताकि उन्हें दुनिया में बासमती चावल की मांग बढ़ाने में मदद मिल सके।
- APEDA, BEDF के जरिए बासमती चावल की खेती को बढ़ावा देने में राज्य सरकारों की सहायता करता है।

DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY APP FROM GOOGLE PLAY STORE
AND GET FREE DAILY CURRENT AFFAIRS

- उल्लेखनीय है, कि भारत ने 2020–21 में 29,849 करोड़ रूपये मूल्य का 4.63 मिलियन टन बासमती चावल का निर्यात किया है।
- APEDA वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन स्थापित एक प्राधिकरण है।

□□□□□

KAUTILYA ACADEMY
INDORE